परिशिष्ट-3

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए. एक्स्टर्नल

हिन्दी भाषा-कौशल

(2022-2023, 2023-2024, 2024-2025 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-3 हिंदी भाषा-कौशल (अंग्रेजी के स्थान पर) Foundation Course-03

(Total Marks –100)

पाठ्यपुस्तक- 1.लोपामुद्रा-महेन्द्र मधुकर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2.भारतदुर्दशा (नाटक)-भारतेन्दु हरिश्चंद्र
3. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 महेन्द्र मधुकर का सामान्य परिचय
उपन्यास के तत्व और प्रकार
'लोपामुद्रा' उपन्यास का कथानक।
'लोपामुद्रा': मनुष्य जीवन में भोग और योग दोनों का महत्व।

इकाई-2 लोपामुद्रा -एक क्रियाशील और रचनात्मक स्त्री-शक्ति के रूप में
महर्षि अगस्त्य का चरित्र-चित्रण
'लोपामुद्रा' का तात्विक विश्लेषण।

इकाई-3 नाटक के तत्त्व और प्रकार
'भारतदुर्दशा' नाटक का कथानक
'भारतदुर्दशा' में अभिव्यक्त देश की न्याय-व्यवस्था पर व्यंग्य।

इकाई-4 'भारतदुर्दशा' के पात्र- योगी और वैतालिक
नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'भारतदुर्दशा' का मूल्यांकन।

इकाई-5 (अ) भारत का संविधान
संविधान की परिभाषा और महत्व,संविधान की रचना।
संविधान सभा, भारतीय संविधान का इतिहास
संविधान की प्रस्तावना, संविधान के विशिष्ट तथ्य /विशेषताएँ।
संघ और उसका राज्य क्षेत्र,नागरिकता,मूल अधिकार
राज्य के नीति निदेशक तत्त्व,मूल कर्तव्य,
संघ की कार्यपालिका
राज्य की कार्यपालिका।

(ब) व्याकरण- व्युत्पत्ति एवम् रचना की दृष्टि से शब्दों का वर्गीकरण-
रूढ, यौगिक, योगरूढ, विकारी तथा अविकारी।
हिन्दी शब्द-भंडार-तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशज।
काल-भेद और प्रयोग।
भूल सुधार।

अंक -विभाजन- इकाई 1, 2,3 और 4 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
इकाई 5 (अ) से एक टिप्पणी का प्रश्न (10×1=10 अंक)
और 5 (ब) व्याकरण से संबंधित 10 संक्षिप्त प्रश्न (10×1=10 अंक)

Date: 06/05/2022

सहायक ग्रंथ-

१. हिन्दी व्याकरण-डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना-डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
३. संक्षेपीकरण-गणेशप्रसाद गुप्त
४. अच्छी हिन्दी-रामचंद्र वर्मा
५. प्रयोग और प्रयोग-वी.रा.जगन्नाथन
६. साहित्य-विवेचन-क्षेमचंद्र सुमन एवम् मल्लिक
७. हिंदी नाटकः आज-कल - डॉ.जयदेव तनेजा
८. हिंदी नाटकः आज तक-डॉ.वीणा गौतम
९. हिंदी नाटक-कोश-डॉ.दशरथ ओझा
१०. भारतदुर्दशा-संवेदना और शिल्प-सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
११. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ-डॉ.रामविलास शर्मा

++++++++++++++++

Date: 06/05/2022